राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय,उदयपुर राजस्थान

राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22

राष्ट्रीय सेवा योजना तीनों इकाइयों द्वारा वर्ष 2021- 22 में निम्न गतिविधियों का आयोजन किया गया :

माह जुलाई में नए सत्र के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों द्वारा हरित राजस्थान सप्ताह के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने कोविड-19 को देखते हुए अपने-अपने घर व निकटवर्ती बगीचों में पौधारोपण किया । साथ ही स्वयंसेविकाओं के लिए पर्यावरण संरक्षण विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 22 जुलाई को सड़क सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय सेवा योजना,रोड सेफ्टी क्लब व रेंजरिंग के संयुक्त तत्वावधान में वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में श्रीमती विजयलक्ष्मी सिकलीगर ने सड़क सुरक्षा के नियम बताए। स्वयंसेविकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। दिनांक 26 जुलाई को सड़क सुरक्षा विषय पर राष्ट्रीय सेवा योजना,रोड सेफ्टी क्लब व रेंजरिंग के संयुक्त तत्वावधान में "लाइफ एंड लाइफ़स्टाइल इफेक्ट ऑन वेलबींग" विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें डॉ प्रीति शर्मा ने वक्तव्य दिया।

दिनांक 20 से 26 अगस्त तक राष्ट्रीय सेवा योजना व उदयपुर नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस की जयंती एवं महात्मा गांधी की 150 वी जयंती पर सद्भावना सप्ताह के अंतर्गत नशामुक्तिकरण पर जिला स्तरीय ऑनलाइन नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों से 248 छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।विजेताओं को प्रमाणपत्र दिए गए।

दिनांक 11 सितंबर को "आज़ादी का अमृत महोत्सव " के अंतर्गत उदयपुर कलेक्ट्रेट की ओर से ऑस्कर पुरस्कार नामित जान एटनबरो द्वारा निर्देशित **गांधी** फिल्म का प्रदर्शन पीवीआर सेलिब्रेशन मॉल में किया गया , जिसमें आमंत्रित स्वयंसेविकाओं ने फिल्म के द्वारा प्रदर्शित गांधी दर्शन एवं उनके जीवन परिचय की जानकारी प्राप्त की।

दिनांक 22 सितंबर को महाविद्यालय की चयन समिति द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम से इंदिरा कुंवर चौहान तथा इकाई द्वितीय से निकिता पुरोहित का जिला स्तरीय प्रि आरडी सलेक्शन केम्प के लिए चयन किया गया । ये दोनों स्वयंसेविकाएं राज्य स्तरीय सलेक्शन कैंप के लिए भी चयनित हुई , जिसमें दोनों स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया।

दिनांक 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय **बदलता परिवेश बदलती हिंदी** था। इसके साथ ही स्वयंसेविकाओं द्वारा प्रमुख कवियों का जीवन परिचय वाचन तथा काव्य पाठ भी किया गया।

24 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के लोगो(logo) बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने घर पर ही ड्राइंग शीट पर एनएसएस लोगो बनाकर वाट्स ऐप ग्रुप में भेजे।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर एक दिवसीय शिविर में प्रभात फेरी, रैली, श्रमदान एवं नव प्रवेशित स्वयंसेविकाओं का पंजीकरण किया गया इसी दिन काव्य पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेविकाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

8 अक्टूबर को मतदाता जागरूकता विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 25 अक्टूबर को आयोजित एक दिवसीय शिविर में वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस एवं श्रीमती इंदिरा गांधी जी के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित कौमी सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर, भाषण, देशभक्ति गीत एवं काव्य पाठ आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।इसी दिन राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों तथा गतिविधियों के बारे में बताया गया।

29 नवंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना तथा मतदाता जागरूकता क्लब के संयुक्त तत्वावधान में क्लस्टर कैंप का आयोजन किया गया।इस शिविर में नए मतदाताओं का पंजीकरण किया गया।दिनांक 10 दिसंबर मानव अधिकार दिवस के दिन आयुक्तालय के आदेश अनुसार

प्राचार्य की अध्यक्षता में "आज़ादी का अमृत महोत्सव " के अंतर्गत "सूचना का अधिकार " विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।इस सेमिनार के मुख्य वक्ता डॉ मनोज छंगाणी ने सूचना के अधिकार के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला एवं इसके महत्व से छात्राओं को परिचित कराया।

दिनांक 18 से 24 दिसंबर तक प्राचार्य डॉ शशि सांचिहर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का विशेष सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। छात्राओं ने प्रतिदिन योग एवं प्रार्थना से शिविर की शुरुआत की। दिनांक 18 दिसंबर को उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ शशि सांचिहर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों तथा गांधी दर्शन की प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रकट किए । साथ ही युवाओं के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में डॉ फरहत बानू सहायक निदेशक, कॉलेज शिक्षा विभाग ने राजस्थान में वन्य जीव संरक्षण पर व्याख्यान दिया,साथ ही पक्षी अभ्यारण्य तथा बाघ संरक्षण पर अपने अनुभव साझा किए। तृतीय सत्र में डॉ विनीता कोठारी सह आचार्य गृहविज्ञान विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई ।उसकी मुख्य बिंदु कृत्रिम श्वसन देना,नब्ज जांचना, दुर्घटना के बाद बहते खून को रोकना आदि शामिल थी।इसी के साथ जीवन रक्षा हेतु cpr तकनीक का विधि प्रदर्शन भी किया गया।

दिनांक 19 दिसंबर , शिविर के दूसरे दिन नाट्य कला प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।इसमें श्रीमती शकुंतला एवं श्रीमान रोहित जी ने नाट्य कला के मुख्य बिंदुओं से अवगत कराया,साथ ही नवरस,भाव मुद्राएं आदि के बारे

जानकारी दी । साथ ही उन्होंने नाटक का प्रशिक्षण दिया। दूसरे सत्र में डॉ राकेश दशोरा , योग विशेषज्ञ ने योग मेडिटेशन, एक्यूप्रेशर तकनीक के बारे में जानकारी दी तथा विधि प्रशिक्षण देकर छात्राओं को पारंगत किया।तृतीय सत्र में स्वयंसेविकाओं द्वारा काव्यपाठ किया गया।

दिनांक 20 दिसंबर , शिविर के तीसरे दिन मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी से डॉ ममता कावडिया एवम समूह के द्वारा वस्त्र सज्जा के लिए स्टेंसिल एवं पेंटिंग वर्कशॉप आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्टेंसिल बनाना

तथा रंगों के उपयोग से वस्त्रों को सजाना सिखाया गया । स्वयंसेविकाओं द्वारा स्वयं भी स्टेंसिल तथा पेंटिंग बनाकर अनुभव लिया। कार्यक्रम के अगले सत्र में महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग से डॉ अजय कुमार चौधरी द्वारा "युवा पीढ़ी में बढ़ते तनाव " विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थी जीवन में बैचेनी को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की । जनार्दन राय नागर विद्यापीठ से डॉ विवेक शर्मा द्वारा आपदा नियंत्रण एवं आपदा में चिंता मुक्त रहने पर व्याख्यान दिया।

दिनांक 21 दिसंबर , शिविर के चौथे दिन, रविंद्र नाथ टेगोर मेडिकल महाविद्यालय से डॉक्टर अनुराधा सनाढ्य ने किशोरावस्था एवं मेंस्ट्रुअल हेल्थ पर परिचर्चा की।उन्होंने शारीरिक स्वच्छता एवं आचार व्यवहार के स्वास्थ्य पर प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। अगले सत्र में कन्या महाविद्यालय , नाथद्वारा से समाजशास्त्र विषय विशेषज्ञ डॉ विनीता लवानिया ने महिला सशक्तिकरण , स्त्री शिक्षा ,बाल विवाह आदि पर अपने विचार प्रकट किए । उन्होंने विभिन्न लाभकारी सामाजिक योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। तृतीय सत्र में महाविद्यालय के सामान्य छात्रावास परिसर में सभी स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ किया। अंतिम सत्र में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक sansui राजकुमार मेनारिया द्वारा स्वयंसेविकाओं को आत्म रक्षा के विभिन्न तरीके सिखाए । उन्होंने मानसिक आत्मबल को शारीरिक बल का स्रोत बताया। उनके साथ ही उनके ब्लैक बेल्ट साथियों ने प्रशिक्षण में सहयोग किया।

22 दिसंबर शिविर के पांचवे दिन आयोजित नाट्य प्रतियोगिता में सभी समूहों द्वारा विभिन्न सामाजिक सरोकारों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।सभी स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । अगले चरण में डा स्नेहा बाबेल द्वारा महिला सशक्तिकरण तथा डा ज्योती गौतम द्वारा गांधी एवं युवाओं की शिक्षा पर व्याख्यान दिया। अंतिम चरण में शेफ सृष्टि शर्मा ने कई विशिष्ट व्यंजनों को सरल तरीके से बनाना सिखाया।

23 दिसंबर शिविर के छ्ठे दिन कार्यक्रम की शुरुआत वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉक्टर साक्षी ने वर्क लाइफ बैलेंस पर व्याख्यान दिया ।उन्होंने जीवन में सभी कार्य संतुलन में करने के महत्व पर बल दिया। अगले सत्र में डॉ राम सिंह भाटी चित्रकला विभाग तथा डॉक्टर विनीता कोठारी विस्तार शिक्षा विशेषज्ञ गृहविज्ञान विभाग ने "संचार के दृश्य साधन " पर आयोजित कार्यशाला में पोस्टर, चार्ट, कोलाज आदि बनाना,रंगो का संयोजन तथा प्रदर्शनी का आयोजन करना सिखाया। इसकी बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें लगभग सभी स्वयंसेविकाओं ने एकल गायन ,एकल नृत्य तथा समूह गायन तथा समूह नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया इस में मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य महोदय डॉ शशि सांचिहर ,मावली महाविद्यालय डॉ सुधा , कुशलगढ़ महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ प्रियवंदा,वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ नीलम सिंघल ने कार्यक्रम में आकर स्वयंसेविकाओं का उत्साहवर्धन किया।

24 दिसंबर शिविर के अंतिम दिन सभी स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही कैंप के सातो दिनों में आयोजित गतिविधियों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया गया । प्रतियोगिताओं के विजेताओं का नाम घोषित किया गया। इस से उन्हें प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।पर्यावरण चेतना के उद्देश्य से शिविर में पधारे सभी वक्ताओं तथा अतिथियों को पौधे भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।

दिनांक 12 जनवरी 2022 को युवा दिवस के अवसर पर युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य महोदय डॉ शशि सांचिहर ही अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉक्टर श्रुति टंडन ने युवाओ को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने पर जोर दिया। स्वयंसेविकाओं को बताया कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुशासन, दृढ़ता एवं व्यवस्थित दिनचर्या का पालन करना चाहिए । तब तक प्रयास करें जब तक कि उनको लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए। इसी कार्यक्रम में पन्ना एल्युमिनी की ओर से स्वयंसेविकाओं को सेनेटरी नैपकिन वितरण किया गया।

दिनांक 24 व 25 जनवरी को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाईयों का तृतीय एकदिवसीय शिविर आयोजित किया गया।शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना व रोड सेफ्टी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आधार फाउंडेशन एनजीओ से श्री नारायण चौधरी ने सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की जानकारी स्वयं सेविकाओं को दी । उन्होंने शॉर्ट फिल्म्स दिखाकर दुर्घटना से बचाव के तरीके समझाए , साथ ही उनके टीम मेंबर सुश्री माही ने सीपीआर तकनीक का प्रदर्शन किया। श्री नारायण ने प्राथमिक उपचार के सरल विधियां स्वयं सेविकाओं को समझाई। शिविर में स्वयं सेविकाओं ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी एवं श्रमदान कर महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाया। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आसाम का स्टेटहुड डे भी मनाया गया जिसमें स्वयं सेविकाओं ने असमिया नृत्य प्रस्तुत किया और विभिन्न राज्यों की झांकियों को प्रदर्शित करते हुए पोस्टर बनाएं व प्रदर्शनी आयोजित की।

दिनांक 30 जनवरी को शहीद दिवस पर उदयपुर नगर निगम के तत्वावधान में आयोजित रैली में डॉ फरहत बानो सहायक निदेशक कॉलेज एजुकेशन व डॉ श्वेता व्यास प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ 24 स्वयं सेविकाओं ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया । उन्होंने महात्मा गांधी जी की पुंयतिथि पर मौन धारण किया तथा उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने हेतु नारे व रामधुन के साथ बड़गांव ग्रामपंचायत समिति क्षेत्र में रैली निकाली।